बिहार का आधुनिक इतिहास भाग-1

यूरोपियों का आगमन:

1. **पुर्तगाली-** मसालों का व्यापार किया, वस्त्रों में विशेषकर 'सूती' (कॉटन) का कारोबार किया।
2. **ब्रिटिश-** वर्ष 1620 में पटना के **आलमगंज** में 'शोरा' (सॉल्टपीटर) के कारखाने की स्थापना, उस समय **गुलजार बाग** की ईस्ट इंडिया कंपनी सरकारी प्रिंटिग प्रेस में तब्दील हो गई थी।
3. **डच-** कॉटन के वस्त्र, शोरा (सॉल्टपीटर) और अनाज में रुचि रखता था।
4. **डेन-** पटना की **नेपाली कोठी** में कारखाने की स्थापना की।

बक्सर का युद्ध- 22 अक्टूबर, 1764

- **'हेक्टर मुनरो'** के नेतृत्व में अंग्रेजों ने **'शाह आलम' द्वितीय, मीर कासिम** (बंगाल के नवाब) और **शुजा-उद-दौला** (अवध के नवाब) की संयुक्त सेना से युद्ध जीता।
- **इलाहाबाद** में दो अलग-अलग संधियों पर हस्ताक्षर किए गए।
- **12 अगस्त, 1765** को मुगलों के साथ
- **16 अगस्त, 1765** को अवध के नवाब के साथ
- मुगलों और बंगाल के नवाब ने बंगाल प्रांत (उस समय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और बांग्लादेश) पर प्रभावी नियंत्रण को खो दिया।
- कंपनी को इन प्रांतों के दीवानी अधिकार (अर्थात राजस्व का संग्रह) प्राप्त हुए।
- अवध के नवाब ने भारी भुगतान किया और उनके कुछ प्रदेशों को भी सौंप दिया।

बिहार और बंगाल का अकाल 1770 और 1783:

- वर्ष 1783 में, जब पुन: अकाल पड़ा, तो गवर्नर जनरल **'वॉरेन हेस्टिंग'** ने **गोलघरों** के विशाल गुंबद के आकार के अन्न भंडार का आदेश दिया।
- **गोलघर** का निर्माण **वर्ष 1786** में कैप्टन **जॉन गॉर्स्टिन** ने किया था।

स्थाई निपटान या जमींदारी प्रथा:

- यह बंगाल, उड़ीसा, बनारस और मद्रास के उत्तरी जिलों में **लॉर्ड कॉर्नवॉलिस** द्वारा पेश किया गया था।
- इसके वास्तुकार **जॉन शोर** थे।

BYJU'S EXAM PREP

BYJU'S EXAM PREP SUBSCRIBE

- उसने जमीन के मालिकों के रूप में **जमींदार** की घोषणा की।
- जमींदार एकत्र किए गए राजस्व का 1/11वां भाग रख सकते थे और 10/11वां भाग अंग्रेजों को देते थे। वे किराए में बदलाव करने के लिए स्वतंत्र थे और किराएदारों का फायदा उठाते थे।
- **अनुपस्थित मकान मालिकों** एवं **धन उधारदाताओं** का उदय
- बाद में किराएदारों के अधिकारों को परिभाषित करने के लिए वर्ष 1885 में **बंगाल किराएदारी अधिनियम** पारित किया गया।

बिहार में 1857 का विद्रोह:

- गवर्नर जनरल- **लॉर्ड कैनिंग**
- **32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट** के मुख्यालय में **देवघर** जिले (अब झारखंड में) में **12 जून, 1857** को प्रारंभ हुआ।
- **3 जुलाई, 1857** को, **पटना** में पुस्तक विक्रेता **'पीर अली'** के तहत विद्रोह आरंभ हुआ।
- **25 जुलाई, 1857** को, **दरभंगा** में विद्रोह शुरु हुआ जिससे बिहार में व्यापक विद्रोह की शुरुआत हुई।
- स्मरणीय तथ्य: **जगदीशपुर** (वर्तमान में भोजपुर जिले में) के **बाबू कुंवर सिंह** ने **आरह** पर कब्जा कर लिया और उन्होंने आजमगढ़ (यू.पी) में **नाना साहब** के साथ मिलकर अंग्रेजों को भी हराया।

कंपनी द्वारा बिहार का प्रशासन:

- ईस्ट इंडिया कंपनी ने बिहार प्रशासन के लिए **डिप्टी गर्वनर** का पद बनाया। **राजा राम नारायण** और **शिताब रॉय**, बक्सर के युद्ध के बाद प्रमुख उप-गवर्नर थे।
- **पटना राजस्व परिषद** की स्थापना वर्ष 1770 में हुई जिसे बाद में वर्ष 1781 में **बिहार राजस्व प्रमुख** से प्रतिस्थापित कर दिया गया।
- वर्ष 1911 में जब दिल्ली राजधानी बनी, बिहार और उड़ीसा, पटना के राजधानी बनने के साथ ही बंगाल प्रांत से पृथक हो गए।
- **22 मार्च, 1912,** को बिहार की स्थापना की गई।
- अंग्रेजों द्वारा निर्मित **शैक्षिक संस्थान**:
- पटना कॉलेज
- पटना विज्ञान कॉलेज
- बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग
- प्रिंस ऑफ वेल्स मेडिकल कॉलेज
- पटना पशु चिकित्सा कॉलेज

- भारत सरकार अधिनियम 1935, ने बिहार को बिहार और उड़ीसा प्रांत में विभाजित कर दिया।

बिहार में होम रूल लीग की स्थापना:

- **बानकीपुर** (पटना) में **16 दिसम्बर, 1916** को स्थापित।
- अध्यक्ष- **मज़हर-उल-हक**
- उपाध्यक्ष- **सरफराज हुसैन खान** और **पूर्णेंदु नारायण सिन्हा**
- सचिव- **चंद्रवंशी सहाय** और **बैजनाथ नारायण सिंह**

क्रांतिकारी गतिविधियां:

- **सचिंद्रनाथ सान्याल- वर्ष 1913** में पटना में **'अनुशीलन समिति'** की शाखा की स्थापना की।
- बी.एन. कॉलेज के **बंकिम चंद्र मित्रा**- अनुशीलन समिति का प्रबंधन किया, विवेकानंद के विचारों को पढ़ाने के लिए **बाल हिंदू संगठन** का गठन किया।
- **बनारस षडयंत्र मामला 1915**- सचिंद्रनाथ सान्याल और बंकिमचंद्र मित्रा
- **पटना युवक संघ** की **1927** में स्थापना की गई
- **मोतिहारी** में **वर्ष 1928** में **बिहार युवक संघ** की स्थापना- **ग्यान शाह**
- **पाटलिपुत्र युवक संघ वर्ष 1929** – पटना में **रामवृक्ष बेनीपुरी** और **अंबिका कांत सिंह** द्वारा स्थापना
- मासिक पत्रिका **'युवक'** का पटना में आरंभ
- महिला क्रांतिकारी- **कुसुम कुमारी देवी** और **गौरी दास**
- सीमाएं- धार्मिक उग्रवादियों ने मुसलमानों को अलग रखा, सीमित ऊपरी जाति की भागीदारी और सामूहिक भागीदारी की कमी ने इसे सरकार के दमन का विषय बना दिया।

चंपारण सत्याग्रह:

- **राजकुमार शुक्ला** ने **इंडिगो प्लांटर्स समस्या** की जांच के लिए महात्मा गांधी को आमंत्रित किया।
- गांधी जी ने अपना **पहला सत्याग्रह** वर्ष 1917 में आरंभ किया। अन्य नेताओं में राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिंह, मज़हर-उल-हक, महादेव देसाई, नरहरि पारिख और जे. बी. कृपलानी शामिल हैं।
- यूरोपीय प्लांटर्स ने किसानों को उनकी भूमि के 3/20वें भाग में नील की खेती करने के लिए बाध्य किया जिसे **तिनकटिया प्रणाली** कहा गया।

- इसने अंग्रेजों को जांच की समिति नियुक्त करने के लिए मजबूर किया। गांधी जी भी इसके सदस्य थे। उन्होंने तिनकटिया प्रणाली को खत्म करने और 25% मुआवजे का किसानों को भुगतान करने के लिए समिति को आश्वस्त किया।

Most Important Study Notes

67th BPSC/CDPO Bihar Special: Geography Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Polity Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Environment & Ecology Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Art and Culture Preparation Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: CSAT Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: History Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Economy Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Monthly Current Affairs Magazine (Free PDF)
Surprise 🥳🎁| 67th BPSC/CDPO सुदर्शन चक्र : Complete Study Material Package Free PDFs
Improve Your Writing Skill Via Joining: Weekly Writing Competition
One-liners: Get Complete Highlights of the Day

byjus